विद्या भवन, बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

वर्ग-सप्तम्

विषय -हिन्दी

।। अभ्यास-सामग्री ।।

संरचना के आधार पर क्रिया के भेद

संरचना के आधार पर क्रिया के चार भेद होता है :

1. **प्रेरणार्थक क्रिया** : जिस क्रिया से यह ज्ञात हो कि कर्ता स्वयं काम ना करके किसी और से काम करा रहा है। जैसे: पढवाना, लिखवाना आदि।
2. **नामधातु क्रिया** : ऐसी धातु जो क्रिया को छोड़कर किन्ही अन्य शब्दों जैसे संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण आदि से बनती है वह नामधातु क्रिया कहते हैं। जैसे: अपनाना, गर्माना आदि।
3. **सयुंक्त क्रिया :** ऐसी क्रिया जो किन्ही दो क्रियाओं के मिलने से बनती है वह सयुंक्त क्रिया कहलाती है। जैसे: खा लिया, चल दिया, पी लिया आदि।
4. **कृदंत क्रिया :** जब किसी क्रिया में प्रत्यय जोड़कर उसका नया क्रिया रूप बनाया जाए तब वह क्रिया कृदंत किया कहलाती है। जैसे दौड़ना, भागता आदि।

प्रेरणार्थक क्रिया के उदाहरण :

- **माता पिता अपने बच्चों से कार्य कराते है।**

- **सुनील अपने बेटे से काम करवाता है।**
- **अध्यापक बच्चों से पाठ पढवाता है।**

सयुंक्त क्रिया के उदाहरण :

- **मीरा बाई स्कूल चली गई।**
- **वह खा चुका।**
- **मीरा महाभारत पढने लगी।**
- **प्रियंका ने दूध पी लिया।**